NBH-16070301020900 Seat No. _____

B. R. S. (Sem. II) (CBCS) (WEF-2016) Examination

April/May - 2017

Hindi

(New Course)

Time : $2\frac{1}{2}$ Hours] [Total Marks : **70**

सूचना : सूचनानुसार उत्तर दीजिए ।

१ कहानी कला के तत्त्वों की विस्तृत चर्चा कीजिए । १५

अथवा

१ 'बू' कहानी का कथानक लिखकर उनकें उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । १५

२ कहानीकला के तत्त्वों के आधार पर 'अपना अपना भाग्य' कहानी का मूल्यांकन कीजिए । १५

अथवा

२ 'परदा' कहानी का कथानक अपने शब्दों में लिखिए । १५

३ निम्नांकित में से किन्हीं **तीन** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए : १५

(१) बाँदी–सरकार, प्यारी चीज न मिलने से इन्सान को उदासी आही जाती है, अमीर और गरीब, सभी का दिल तो दिल ही है ।

(२) ''मैं तो सोचती थी शायद तू उसको आखिर तक छोड़ने चला गया है – माँ ने कहा । नहीं माँ, आखिर तक नहीं गया, रास्ते के बीच ही छोड़ आया हूँ । ''

(३) ''दुखी कहीं ऐसा गजब न करना, नहीं तो सीधा भी जाये और थाली भी फूटे । बाबा थाली उठाकर पटक देंगे । उनको बड़ी जल्दी किरोध चड़ जाता है ।''

(४) ''मुहल्ले में चौधरी पीरबख्श की इज्जत थी । इज्जत का आधार था, घर के दरवाजे पर लटका पर्दा । भीतर जो भी हो पर्दा सलामत रहता । कभी बच्चों की खींच–खींच या बेदर्द हवा के झोंकों से उसमें छेद हो जाते, तो पर्दे की आड़ से हाथ–सुई–धागा ले उसकी मरम्मत कर देते ।''

(५) ''अजी, ये पहाड़ी बड़े शैतान होते हैं । बच्चे–बच्चे में गुन छिपे रहते हैं । आप भी क्या अजीब है – उठा लाये कहाँ से लो जी यह नौकर लो ।''

४ कहानी कला के तत्त्वों के आधार पर 'ब्रह्मराक्षस का शिष्य' कहानी का मूल्यांकन कीजिए । १५

अथवा

४ कहानी के उद्‌भव–विकास पर प्रकाश डालिए । १५

५ प्रेमचन्द के जीवन–कवन पर प्रकाश डालिए । १०

अथवा

५ 'दुखवा मैं कासे कहुँ मोरी सजनी' कहानी का कथानक लिखिए । १०